चार दिवसीय महिला सशक्तिकरण पर सम्मेलन

प्रसन्नचित्त महिला से परिवार का वातावरण भी सुगम होता

ज्ञान सरोवर-माउंट आबू(राज.)। ब्रह्माकुमारीज के महिला प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री,भोपाल की अध्यक्षा अनुराधा सिंघई ने सम्बोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन राजनीति से नहीं, धन से नहीं, सत्ता से नहीं, सिर्फ संस्कार से होता है। सबसे बड़ी अदालत अंदर होती है जिसमें झूठ नहीं बोल सकते। अंदर की दुनिया ही बाहर की दुनिया बनाती है। धैर्य रखना, क्षमा करना यह संस्कार है, जो हमारे मन को हल्का रखते है, ये कमजोरी नहीं है।

मुंबई से आई फिल्म अभिनेत्री शशि शर्मा ने कहा कि जब हम इस ज्ञान से जुड़े नहीं थे तब तक हम भटक रहे थे। हमने सीखा कि हम अपनी यात्रा खुद बना सकते है। हमें खुद कृष्ण, सीता, द्रौपदी बनकर दुर्गा का रूप लेकर शक्तियां प्रसाद के रूप में सबके साथ बांटनी है। हमारे ही हाथ में सबकुछ है। महिला एक बहुत अच्छी निर्माता है, इसलिए परमात्मा ने भी नारी को चुना। वित्त मंत्रालय दिल्ली की कानूनी सलाहकार शिप्रा राय ने कहा कि शक्तिशाली महिला वह है जिसका अपने विचार, शब्द और कर्म पर पूर्ण नियंत्रण है। महिला सशक्तिकरण एक आंतरिक आध्यात्मिक जागरण है। दृष्टि फाउण्डेशन ट्रस्ट अहमदाबाद के संस्थापक दिनेश कुमार गौतम ने कहा कि मै ऐसा सौभाग्यशाली हूँ जिसे माँ ने बनाया, पत्नी ने आगे बढ़ाया और बेटी ने सजाया। महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि महिला अगर संतुष्ट और प्रसन्न है तो परिवार में एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी ने कहा कि जब महिला सुसंस्कारित होती है तो वह केवल न परिवार को, समाज को बल्कि पूरे राष्ट्र को रोशन करती है। ज्ञान सरोवर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रभा दीदी ने कहा कि वंदे मातरम का विशेष घोष लेकर परमपिता परमात्मा इस धरा पर पधारे है। आज समाज में महिला के मूल्यों का, उसकी शक्तियों का गायन दुर्गा, पार्वती और सीता के रूप में किया जाता है। मंच संचालन महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. सविता दीदी ने किया।

> **'संस्कार परिवर्तन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण' विषय पर राजयोग शिविर एवं राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया**

कार्य को पूरी निष्ठा और तन्मयता के साथ करें... अरूण देव

सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाने व तनाव मुक्ति हेतु ब्रह्माकुमारीज का प्रयास...

> 1. स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र का सशक्तिकरण अभियान का हुआ शुभारम्भ...
> 2. अपने मन [illegible] का नियंत्रण नहीं, इसलिए [illegible] ई.वी. स्वामीनाथन

नवा रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा प्रभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में सुरक्षा बलों के मनोबल में वृद्धि करने तथा तनाव मुक्ति हेतु आयोजित विशेष अभियान "स्व-सशक्तिकरण से राष्ट्र का सशक्तिकरण" का शुभारम्भ नवा रायपुर के सेक्टर-20 स्थित शान्ति शिखर में किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, सीआईएसएफ के कमांडेंट मनिन्दर सिंह, बीएसएफ के कमांडेंट एस.आर. खान सहित बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम ने कहा कि जिस दिन अपने मन को समझ जाएंगे उस दिन बहुत सारी दुविधाओं से मुक्त हो जाएंगे। लाइफ कोच एवं ट्रेनर ई.वी. स्वामीनाथन ने कहा कि देश की रक्षा हम तब कर सकेंगे जब हम स्वयं सुरक्षित रहें और स्वयं की रक्षा के लिए शरीर और मन का स्वस्थ होना जरूरी है। क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने स्व सशक्तिकरण के लिए स्व की पहचान जरूरी बताया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के ज्वाइंट डायरेक्टर कैप्टन शिव सिंह ने सुरक्षा सेवा प्रभाग की सेवाओं की जानकारी दी। रायपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

माउंट आबू में विधि एवं न्याय मंत्रालय के दो दिवसीय 'रिफॉर्म्स उत्सव एवं चिंतन शिविर-2026' का सफल आयोजन

ज्ञान सरोवर-माउंट आबू(राज.)। भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान सरोवर परिसर,माउंट आबू में आयोजित दो दिवसीय रिफॉर्म्स उत्सव एवं चिंतन शिविर -2026 का शुभारम्भ केंद्रीय कानून एवं विधि न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया। शिविर में केंद्रीय मंत्रालय,नई दिल्ली के विधि एवं न्याय विभाग के सचिव वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। शुभारम्भ अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि जीवन में जब भी कोई परेशानी आए तो चिंता करने के बजाए समाधान के लिए चिंतन करना चाहिए। चिंतन शिविर का उद्देश्य भी पूर्व में किए गए कार्यों का मूल्यांकन कर भविष्य में बेहतर निर्णय लेना है।

> - जीवन में चिंता नहीं, समाधान के लिए करें चिंतन - अर्जुन राम मेघवाल
> - ज्ञान सरोवर में जुटे देशभर से भारत सरकार के विधि एवं न्याय विभाग के अधिकारी
> - विकसित भारत के लिए कानून सुधारों पर मंथन
> - कानूनी सुधारों की नई दिशा तय करेगा चिंतन शिविर
> - कानूनी एवं न्यायिक सुधारों पर होगा मंथन, विकसित भारत के निर्माण की दिशा में बनेगी रणनीति
> - योग एवं राजयोग मेडिटेशन के हुए विशेष सत्र

संविधान में अब तक 106 संशोधन हुए : डॉ. राजीव मणि त्रिपाठी

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग में सचिव डॉ. राजीव मणि त्रिपाठी ने कहा कि कानून का क्षेत्र निरंतर परिवर्तनशील है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अब तक भारतीय संविधान में 106 संशोधन किए जा चुके है। इस अवसर पर उन्होंने पीपीटी के माध्यम से पिछले 12वर्षों में कानून एवं संविधान से जुड़े प्रमुख सुधारों की जानकारी भी दी।

राजयोग मेडिटेशन के हुए विशेष सत्र

दो दिवसीय चिंतन शिविर के दौरान प्रतिभागियों के लिए योग एवं राजयोग मेडिटेशन के विशेष सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों में ब्रह्माकुमारी संस्थान की वरिष्ठ बहनों ने तनावमुक्त, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए राजयोग मेडिटेशन की व्यावहारिक विधियाँ साझा कीं। कार्यक्रम में ज्वाइंट सेक्रेटरी पीसी प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मंत्रालय, ब्रह्माकुमारीज के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

> **यहाँ के आध्यात्मिक वातावरण का प्रभाव : डॉ. मनोज कुमार**
>
> विधि एवं न्याय विभाग के अतिरिक्त सचिव डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान सरोवर परिसर का आध्यात्मिक वातावरण सभी प्रतिभागियों को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस चिंतन शिविर का उद्देश्य 'विकसित भारत' के निर्माण में विधि एवं न्याय विभाग की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाना है। साथ ही देश के विकास की आवश्यकताओं के अनुरूप नए कानूनों एवं सुधारों पर गंभीर मंथन किया जा रहा है।

दूसरों को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण न करने दें : शिवानी

शिमला पंथाघाटी(हि.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज द्वारा हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के पीटरहॉफ में एक भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम 'सेल्फ-हीलिंग मेडिटेशन फॉर ए पीसफुल लाइफ' में मुख्य वक्ता विश्वप्रसिद्ध, मोटीवेशनल स्पीकर, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शिवानी दीदी ने 4600 प्रबुद्धजन को अपने दैनिक जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से नैतिकता अपनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने 5 प्रकार के संस्कार बताये- पहला पूर्व जन्म संस्कार, दूसरा गर्भ संस्कार, तीसरा परिवार द्वारा दिए गए संस्कार, चौथा वातावरण और इच्छा शक्ति से बने संस्कार और पांचवा आत्मा के निजी संस्कार। उन्होंने कहा कि दूसरों को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण न करने दें। उन्होंने मेडिटेशन का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता, मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल कवीन्द्र गुप्ता, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय जी.एस. संधवालिया, जी.ओ.सी.ले. जनरल मनुकृति सिंह दहिया,एस.एम.,वी.एस.एम., माननीय न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर, माननीय न्यायाधीश रंजन शर्मा, महापौर शिमला पूर्व सांसद श्रीमति प्रतिभा सिंह, एस.जे.वी.एन. के निदेशक अजय शर्मा व कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रतिष्ठित अधिकारी उपस्थित रहे।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामी - आर.ई.आर.एफ., प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नाशिकेश्री द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-L Sector-25, GIDC Gandhinagar(Guj.) में मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज, शान्तिवन, आबू रोड, - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org